

परीक
द्वारा

द्वारा या कार्यवाही भव इतिहासका जय

③ मोहन, चूना-पिता लाला 2/3 रतना-पिता नाथूबखारि,
आपकी पत्नी नाथू 1/3 बालाई शा.देह स्वातेदार -

आराजी नं.	रकबा
395	0.15
614/1	1.05
612	1.04
614/1	1.06
1307/2	0.05
1660	0.07
1661	0.04

कुल कित 07 रकबा 5.06 बीघा (बैकखन बफस्तुरखे)

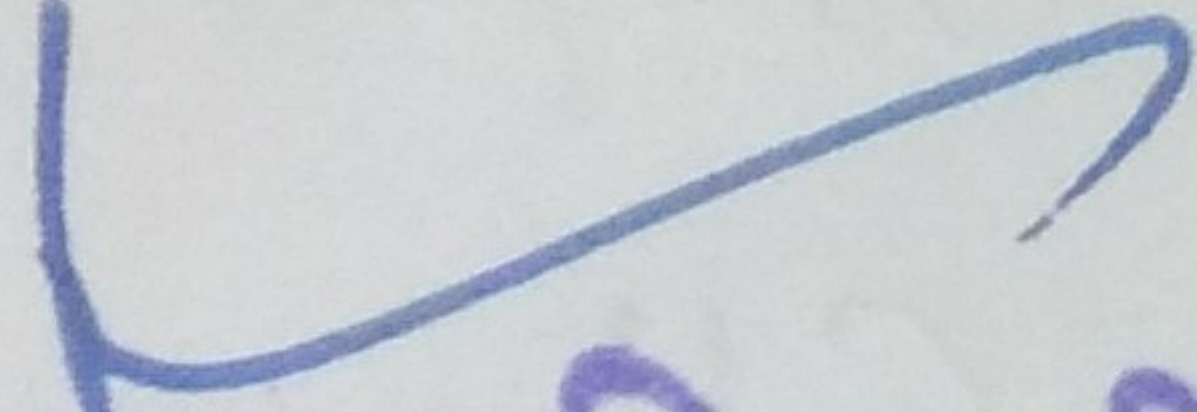
④ निम्नलिखित आराजियात शामिल रहेगी ।

आराजी सं.	रकबा
606	0.04
608	0.01

कुल कित 02 रकबा 0.05 बिस्वा

उक्तानुसार भूमि वादीगण एवं प्रतिवादी सं. 01 से 12 के नाम हिस्से, व कब्जा कब्रत अनुसार राजस्व रेकार्ड में दर्ज की जावे। स्वर्चा फरिक्म अपना-अपना वहन करे। तदनुसार डिफ्री जारी हो।

पत्रावली फौसल शुमार की जाकर देफतर दाखिल हो।


उपखण्ड अधिकारी
मांडल जिला भीलवाड़ा